(मिशन 100 सीकर)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर (परीक्षा–2019)

हिन्दी

कक्षा–10 हेतु नमूने के प्रश्नपत्र

संरक्षक मण्डल

गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षामंत्री
राजस्थान सरकार, जयपुर

नथमल डिडेल (IAS)
निदेशक
मा.शि.राजस्थान, बीकानेर

डॉ. महेन्द्र चौधरी
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा,चूरू मण्डल, चूरू

महेश चन्द गुप्ता
मु.जि.शि.अधि. एवं
जि.प.स.(समसा) सीकर

मार्गदर्शक मण्डल

बनवारी लाल
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
पं.स.–पिपराली, सीकर

बलदेव सिंह बगड़िया
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
पं.स.–पिपराली, सीकर

जयदेव सिंह
प्रधानाध्यापक
रामावि, देवगढ़, सीकर

डॉ.देवेन्द्र सिंह खीचड़
अध्यापक
रामावि, देवगढ़, सीकर

तैयारकर्ता

दिनेश कुमार भूकर
(वरिष्ट अध्यापक)
राउमावि, लालासी

धनेश कुमार खीचड़
(संदर्भ व्यक्ति)
बीआरसीएफ(समसा), पिपराली

तकनीकी सहायक

सुरेश ओला
(सहायक प्रभारी शालादर्पण प्रा.शि.)
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, पिपराली, जि.–सीकर (राजस्थान)

माध्यमिक परीक्षा – 2019

नमूना प्रश्न–पत्र – 1

कक्षा – 10

विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80

समय – 3.15 घंटे

निर्देश :– 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

2. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड़ हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नही थीं – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे। अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नही, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था। यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का हैं– भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता हैं। स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेंजडी यह नहीं हैं कि शासक वर्ग ने औधौगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेंजडी यह रही हैं कि पश्चिम की देखादेखी और नकल में योजनाएँ बनाते समय – प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता हैं – इस ओर हमारे पश्चिम शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया । हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तो और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप निर्धारित कर सकते हैं, कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. भारत की सबसे बडी ट्रेंजेडी क्या रही है? 1

3. भारत की सांस्कृतिक विरासत कहॉ विद्यमान रहती थी ? 2

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

तिरती है समीर सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया–
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया–
यह तेरी रण – तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी – गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊंचा कर सिर,
ताक रहें हैं, ऐ विप्लव के बादल!

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

5. 'रण – तरी' शब्द का क्या आशय हैं। 1

6. उपर्युक्त काव्यांश की मूल संवेदनाएँ लिखिए। 2

खण्ड – 2

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों मे निबन्ध लिखिए । 8

(क) कन्या भ्रूण हत्या : एक अभिशाप

(1) प्रस्तावना (2) कन्या भ्रूण हत्या के कारण

(3) कन्या भ्रूण हत्या : सामाजिक धारणा (4) कन्या भ्रूण हत्या रोकनें के उपाय

(5) उपसंहार

अथवा

(ख) स्वच्छ भारत अभियान

(1) प्रस्तावना (2) स्वच्छता और स्वास्थ्य

(3) स्वच्छता अभियान की आवश्यकता (4) अभियान – राष्ट्रीय जागरूकता

(5) उपसंहार

अथवा

(ग) आतंकवाद : एक प्रत्यक्ष चुनौती

(1) प्रस्तावना (2) आतंकवाद के कारण

(3) वैश्विक आतंकवाद (4) आतंकवाद रोकने के उपाय

(5) उपसंहार

अथवा

(घ) मुझे गर्व हैं, कि मैं भारतीय हूँ

(1) प्रस्तावना (2) वसुधैव कुटुम्बकम्

(3) विविधता में एकता (4) राष्ट्रीय सांस्कृतिक परम्परा

(5) उपसंहार

8. स्वयं को राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुर (सीकर) की कक्षा – 10 की छात्रा आरती भूकर मानते हूए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को गणित विषय की अतिरिक्त कक्षाएँ लगवाने हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखिए – **4**

अथवा

स्वयं को सीकर का पुस्तक विक्रेता धैर्य मानतें हुए भास्कर प्रेस, जयपुर को एक पत्र लिखिए जिसमें साहित्य की पुस्तकें खरीदनें की मॉग हो।

खण्ड – 3

9. क्रिया विशेषण अव्यय किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए । **2**

10. पेड़ से पत्ता गिरा।, वाक्य में निहित कारक, काल और वाच्य लिखिए । **3**

11. तत्पुरूष समास की सोदाहरण परिभाषा दीजिए । **2**

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। **1× 2 = 2**

(क) यह शुद्ध गाय का देशी घी हैं ।

(ख) दो पुलिसकर्मियों ने चोरों को पकड़कर कैद में डाल दिया ।

13. 'छठी का दूध याद आना' मुहावरें का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । **2**

14. 'अपना रख पराया रख' लोकाक्ति का अर्थ लिखिए । **1**

खण्ड – 4

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **2+4=6**

प्रभो! प्रेममय प्रकाश तुम हो,
प्रकृति – पद्मिनी के अंशुमाली।
असीम उपवन के तुम हो माली
धरा बराबर बता रही है।

जो तेरी होवे दया दयानिधि,
तो पूर्ण होता ही है मनोरथ।
सभी ये कहते पुकार करके,
यही तो आशा दिला रही हैं।

अथवा

बरन बरन तरू फूले उपबन बन,
सोई चतुरंग संग दल लहियतु है।
बंदी जिमि बोतल बिरद बीर कोकिल है,
गुंजत मधुप गान गुन गहियतु हैं ।
आवै आस – पास पुहूपन की सुबास सोई,
सोने के सुगंध मॉझ सने रहियतु हैं।
सोभा कौं समाज सेनापति सुख – साज आज,
आवत बसंत रितुराज कहियतु है।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **2+4=6**

पढ़ने लिखने में स्वयं कोई बात ऐसी नहीं जिससें अनर्थ हो सकें। अनर्थ का बीज उसमें हरगिज नहीं । अनर्थ पुरूषों से

भी होतें हैं। अपढ़ो और पढ़े – लिखे दोनो से। अनर्थ, दुराचार और पापाचार के कारण और ही होते हैं और वे व्यक्ति – विशेष का चाल – चलन देखकर जाने भी जा सकते हैं। अतएव स्त्रियों को अवश्य पढाना चाहिए ।

अथवा

स्वतन्त्रता – सेनानी आम का बाग लगाता हैं जेलर साहब । वह जानता हैं, इस आम का अमृत उसे नहीं मिलेगा। वह अपने प्राण बोकर, खून – पसीने से सींचकर, यह अमृत–फल आने वाली पीढियों के लिए उगाता है। स्वतन्त्रता संग्राम भी इसी भावना से लड़ा जा रहा हैं। भागीरथ गंगा खुद के लिए नहीं लाया था। युगों–युगों तक लोगउ उस भागीरथी से अपने तन–मन की प्यास बुझाते रहेंगे।

17. कन्यादान कविता के आधार पर बताइए कि आपकी दृष्टि सें कन्या के साथ दान की बात करना कहॉ तक उचित हैं। (शब्द सीमा – 200 शब्द) **6**

अथवा

कवि देव के पदो के आधार पर श्रीकृष्ण के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए (शब्द सीमा – 200 शब्द)

18. 'गौरा वास्तव में बहुत प्रियदर्शनी थी' पंक्ति के आधार पर गौरा के शारीरिक सौन्दर्य एवं स्वभावगत् विशेषताओं का वर्णन कीजिए (शब्द सीमा – 200 शब्द) **6**

अथवा

'चिन्ता को लोग चिता कहते हैं।' ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से पाठ के आधार पर इस पंक्ति के समर्थन में अपनी बात रखते हए स्पष्ट कीजिए –(शब्द सीमा – 200 शब्द)

19. 'सूरदास' पाठ के आधार पर बताइए कि मथुरा के कुऍ संदेशो से कैसे भर गए हैं ? **2**
20. अस्वाभाविक मित्रता के घातक परिणाम होतें हैं। ''राजिया रा सोरठा'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **2**
21. ''अभी न होगा मेरा अंत'' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए । **2**
22. ''एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न'' पाठ में पण्डित प्राणान्तक प्रसाद की क्या विशेषताऍ बताईं गई हैं ? **2**
23. सड़क पर दुपहिया वाहन चलाते समय क्या – क्या सावधानी रखनी चाहिए । **2**
24. सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को देखकर आप क्या करेंगे । **2**
25. ''औरे आज, ऊपर तन गए हैं, तुम्हारें तबूं'' पंक्ति से नागार्जुन का क्या आश्य है? **1.5**
26. ''बलि हों तेरे चरणों पर, मॉ
    मेरें श्रम सिंचित सब फल।''
    उपर्युक्त पंक्ति का आश्य स्पष्ट कीजिए । **1.5**
27. 'आखिरी चट्टान' के लेखक के मन में सूर्यास्त के बाद डर क्यों समाया ? **1.5**
28. लोकसंत पीपा के परमात्मा के स्वरूप संबंधी विचारों को बताइए ? **1.5**
29. कवि सूरदास का जीवन परिचय दीजिए । **3**
30. लेखिका महादेवी वर्मा का जीवन परिचय दीजिए । **3**

माध्यमिक परीक्षा – 2019

नमूना प्रश्न–पत्र – 2

कक्षा – 10

विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80

समय – 3.15 घंटे

निर्देश :– 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

2. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड़ हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अहिंसा और कायरता कभी साथ नहीं चलती । मैं पूरी तरह शास्त्र – सज्जित मनुष्य के हृदय से कायर होने की कल्पना कर सकता हूँ। हथियार रखना कायरता नहीं तो डर का होना तो प्रकट करता ही हैं, परन्तु सच्ची अहिंसा शुद्ध निर्भयता के बिना असम्भव हैं।

क्या मुझमें बहादुरों की वह अहिंसा है? केवल मेरी मृत्यु ही इसे बतायेगी। अगर कोई मेरी हत्या करें और मैं मुँह से हत्यारे के लिए प्रार्थना करते हुए तथा ईश्वर का नाम जपते हुए और हृदय मंदिर में उसकी जीती जागती उपस्थिति काप भाव रखते हुए मरूँ तो ही कहा जाएगा कि मुझमें बहादुरो की अहिंसा थी। मेरी सारी शक्तियों के क्षीण हो जाने से अपंग बनकर मैं एक हारे हुए आदमी के रूप में नही मरना चाहता।

किसी हत्यारे की गोली भले की मेरे जीवन का अंत कर दे, मैं उसका स्वागत करूँगा। लेकिन सबसे ज्यादा तो मैं अन्तिम श्वास तक अपना कर्त्तव्य पालन करते हुए मरना पसंद करूँगा। मुझे शहीद होने की तमन्ना नहीं है, लेकिन अगर धर्म की रक्षा का उच्चत्तम कर्त्तव्य पालन करते हुए मुझे शहादत मिल जाए तो मैं उसका पात्र माना जाऊँगा।

1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्ष दीजिए । **1**
2. रेखांकित पद 'शस्त्र – सज्जित' का समास विग्रह कीजिए। **1**
3. लेखक को किस प्रकार की अहिंसा पसन्द हैं और क्यों ? **2**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

आओं मिलें सब देश बांधव हार बनकर देश के, साधक बने सब प्रेम से सुख शांतिमय उद्देश्य के।
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो ? बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो।
रक्खो परस्पर मेल, मन से छोड़कर अविवेकता, मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता।
सब बैर और विरोध का बाल – बोध से वारण करो! है भिन्नता में खिन्नता ही, एकता धारण करो।
हैं कार्य ऐसा कौन – सा साधे न जिसको एकता, देती नही अद्भुत अलौकिक शक्ति किसको एकता।
दो एक एकादश हुए किसने नहीं देखें सुने, हॉ शून्य के भी योग से हैं अंक होते दश गुने।

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । **1**
5. 'दो एक एकादश हुए' से कवि का क्या आश्य है ? **1**
6. कवि ने भारत की साम्प्रदायिक विविधता की तुलना किससे की हैं ? **2**

खण्ड़ – 2

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए । **8**

(क) नारी सशक्तिकरण : उज्ज्वल भविष्य

(1) प्रस्तावना (2) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति
(3) नारी सशक्तिकरण हेतु सरकारी प्रयास (4) देश की प्रमुख नारियों का परिचय
(5) उपसंहार

अथवा

(ख) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप

(1) प्रस्तावना (2) मोबाइल फोन के लाभ
(3) मोबाइल फोन से हानि (4) मोबाइल फोन का संयमित प्रयोग
(5) उपसंहार

अथवा

(ग) पर्यावरण संरक्षण

(1) प्रस्तावना (2) पर्यावरण संरक्षण की समस्या

(3) पर्यावरण संरक्षण के उपाय (4) पर्यावरण प्रेमी व्यक्तित्व

(5) उपसंहार

अथवा

(घ) रंगीला राजस्थान : सुनहरा राजस्थान

(1) प्रस्तावना (2) रेगिस्तानी पृष्ठभूमि

(3) खनिजों का खजाना (4) सांस्कृतिक परम्परा

(5) उपसंहार

8. आप चौधरी चरणसिंह नगर, सीकर के निवासी विकास हैं, परीक्षा समय में रात में शादियों में बजने वाले तीव्र ध्वनि प्रसारक यंत्रो की रोकथाम करवाने हेतु जिला कलक्टर को एक पत्र लिखिए। **4**

अथवा

स्वयं को रूचिका कुमारी, कक्षा 10, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालासी (सीकर) की छात्रा मानते हुए शाला प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाएँ लगवानें का अनुरोध किया गया हो।

खण्ड़ – 3

9. सम्बन्धबोधक अव्यय को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **2**

10.'मैं पुस्तक पढता हूँ।' वाक्य में निहित कारक, काल और वाच्च लिखिए। **3**

11.कर्मधारय समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए । **2**

12.निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए । **2**

(क) सप्रमाण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ख) अपराधी को मृत्युदण्ड की सजा सुनाई गई ।

13.निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताइए । **2**

(क) अक्ल का दुश्मन होना

(ख) कमर कसना

14.'आगे कुआँ पीछे खाई।' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए । **1**

खण्ड़ – 4

15.निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए **2+4=6**

बूझत स्याम कौन तू गोरी।
कहाँ रहति काकी है बेटी, देखी नहीं कबहूँ ब्रज – खारी।।
काहे को हम ब्रज – तन आवति, खेलत रहति पोरी ।
सुनत रहतिं स्रवननि नंद ढोटा, करत फिरत माखन दधि चोरी।।
तुम्हरो कहा चोरि हम लैंहें, खेलन चलो संग मिलि जोरी।
सूरदास प्रभु रसिक सिरोमनि, बातनि भुरई राधिका भोरी।।

अथवा

दामिनी दमक, सुरचाप की चमक, स्याम
घटा की झमक अति घोर घनघोर तैं ।
कोकिला, कलापी कल कूजत हैं जित – तित,
सीकर ते सीतल समीर की झकोर तैं ।
सेनापति आवन कह्यो है मनभावन सु
लाग्यौ तरसावन विरह – जुर जोर तैं।
आयो सखी सावन, मदन सरसावन,
लग्यौ हैं बरसावन सलिल चहुँ और तैं।

16.निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए **2+4 = 6**

हे मित्र! मेरे निकट जो महाशय बैठे हैं इनका नाम पाखण्डप्रिय हैं। किसी समय इस देश में इनकी बडी मानता थी। सब

स्त्री पुरूषों को इन्होंने मोह रक्खा था। परन्तु अब कालचक्र के मारे अँगरेजी पढ़े हिन्दुस्तानियों ने इनकी बड़ी दुर्दशा की। इस कारण प्राण बचाकर हिमालय की तराई में हरित दूर्वा पर सन्तोष कर अपना कालक्षेप करते थे। विपत्ति ईश्वर किसी पर न डाले ! जब तक इनका राज था, दृष्टि बचाकर भोग लगाया करते थे। कहाँ अब खान – श्रृंगाल के संग दिन काटने पड़े। परन्तु फिर भी इनकी बुद्धि पर पूरा विश्वास है, कि एक कार्तिक मास भी इनको स्थिर रह जाने देंगे तो हरि कृपा से समस्त नवीन धर्मों पर चार – पाँच दिन में पानी फेर देंगे।

अथवा

यात्रियों की कितनी ही टोलियाँ उस दिशा में जा रही थी। मेरे आगे कुछ मिशनरी युवतियाँ मोक्ष की समस्या पर विचार करती चल रही थीं । मैं उनकी बातों से कहीं रहस्यमय आकार्षण उनके युवा शरीरों में था और पीली रेत की पृष्ठभूमि में उनके लबादों के हिलते हुए स्याह – सफेद रंग बहुत आकर्षक लग रहे थे। मोक्ष का रहस्य अभी बीच में ही था कि हम लोग टीले पर पहुँच गये। यह वह सैंड हिल थी जिसकी चर्चा मैं वहाँ पहुँचने के बाद से ही सुन रहा था। सैंड हिल पर बहुत से लोग थे। वे सूर्यास्त देख रहे थे।

17. नागार्जुन की कविता 'कल और आज' कविता का मूल भाव विस्तार से स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा – 200 शब्द) **6**

अथवा

'रजिया रा सोरठा' पठितांश के आधार पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिम्मत, पराक्रम एवं वाणी के महत्व को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा – 200शब्द)

18.लोक संत पीपा के जीवन चरित्र पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ? (शब्द सीमा – 200 शब्द) **6**

अथवा

''आह मेरा गोपालक देश'' पंक्ति के आधार पर 'गौरा' संस्मरण की विवेचना कीजिए । (शब्द सीमा – 200 शब्द)

19.शिव धनुष भंग होने पर परशुराम क्यों कुपित हो रहे थे ? **2**

20.कवि देव ने अपने काव्यांश में नेत्रों की मधुमक्खी के समान क्यों बताया हैं ? **2**

21.'फेरूँगा निद्रित कलियों पर' पंक्ति में निद्रित कलियों का आश्य क्या हैं ? **2**

22.हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या – क्या तर्क दिए ? कोई दो तर्क बताइए। **2**

23.चौपहिया वाहन चलाते समय क्या सावधानी रखनी चाहिए ? **2**

24.निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखो – **2**

(क) बौनट (ख) सीट बेल्ट

25.प्रभो कविता में कवि का 'प्रकृति –पद्मिनी के अंशुमाली' पद से क्या तात्पर्य है ? **1.5**

26.कन्यादान कविता में कवि ने स्त्री जीवन का बंधन किसे व क्यों बताया है? **1.5**

27.दादू के पंचतीर्थो का नाम लिखिए **1.5**

28.'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर किसी मनुष्य की उन्नति कब सम्भ्व है ? **1.5**

29.कवि तुलसीदास का जीवन परिचय दीजिए । **3**

30.लेखक रामधारी सिंह दिनकर का जीवन परिचय दीजिए । **3**

माध्यमिक परीक्षा – 2019

नमूना प्रश्न–पत्र – 3

कक्षा – 10

विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80

समय – 3.15 घंटे

निर्देश :– 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

2. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड़ हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हमारे देश से सतीप्रथा को मिटाया जा चुका है , परन्तु दहेज प्रथा आज भी अपने विकराल रूप में मुँह बाए खडी हैं। बाल – विवाह, अनमेल विवाह, छुआछूत जैसी बुराईयों का चलन अब समय के साथ कम होने लगा है। दहेज प्रथा बजाय कम होने के और अधिक बढ रही हैं, उसकी वजह यह रही कि समाज सुधारकों ने इसको गंभीरता से नहीं लिया, इसके प्रति वे उदासीन ही बने रहे। सिर्फ प्रचार – प्रसार व कोरी भाषणबाजी से यह मिटने वाली नही हैं। कुछ व्यक्ति अवश्य की इसके विरोध में आवाज उठाते हैं , परन्तु निश्चित व विधिक प्रक्रिया के न बनने के अभाव में वांछित परिणाम नहीं आ रहे हैं। पारस्परिक संबंधो में प्रगाढता लाने के उद्देश्य से शुरू की गई। इस परिपाठी का अर्थ एवं उद्देश्य दोनों ही बदल गये हैं। इसने एक अभिशप्त व्यवसाय का रूप धारण कर लिया हैं। समाज में बिना जागृति व मनुष्य की सोच में परिवर्तन किए इस प्रथा को जड़ से मिटाना न केवल दुष्कर वरन् असंभव भी हैं।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

2. रेखाकिंत शब्द 'पारस्परिक' से मूल शब्द एवं प्रत्यय को अलग – अलग लिखिए। 1

3. दहेज प्रथा को जड़ से कैसे मिटाया जा सकता हैं ? 2

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अरूण यह मधुमय देश हमारा ।
जहां पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर – नाच रही तरूशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर – मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे – शीलत मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखो के बादल – बनते जहाँ भरे करूणा जल।
लहरें टकराती अंनत की – पाकर जहाँ किनारा।
हेम कुंभ ले उषा सवेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरें।
मंदिर ऊँघते रहते जब – जगकर रजनी भर तारा।

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

5. 'मलय समीर' किसे कहा गया है? 1

6. काव्यांश में मधुमय देश किसे व क्यों कहा गया हैं? 2

खण्ड – 2

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

(क) भारत में बढता भ्रष्टाचार : एक प्रत्यक्ष चुनौती

(अ) प्रस्तावना (ब) भ्रष्टाचार के कारण

(स) भ्रष्टाचार के कुप्रभाव (द) भ्रष्टाचार रोकथाम के कानून व सुझाव

(य) उपसंहार

अथवा

(ख) मेरे जीवन का लक्ष्य

(अ) प्रस्तावना (ब) जीवन लक्ष्य चयन व कर्त्तव्य

(स) लक्ष्य प्राप्ति की लगन (द) प्रतिस्पर्धात्मक युग में समायोजन (द) उपसंहार

(ग) इण्टरनेट : वरदान या अभिशाप

(अ) प्रस्तावना (ब) इन्टरनेट की जरूरत

(स) इन्टरनेट से लाभ (द) सदुपयोग की समझ

(य) उपसंहार

अथवा

(घ) यदि मैं प्रधानमंत्री होता

(अ) प्रस्तावना (ब) राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य

(स) युवाओं के प्रति कर्त्तव्य (द) बुजुर्गो के प्रति कर्त्तव्य

(द) उपसंहार

8. स्वयं को सीकर निवासी शंकर लाल मानते हुए अपने मित्र केशरदेव को व्याख्यता पद पर चयन होनें पर बधाई पत्र लिखिए **4**

अथवा

आप शास्त्रीनगर चुरू निवासी चन्द्रकांता शर्मा हैं। गत दिनों से मौहल्ले में हो रही चोरियों की रोकथाम हेतु अपनें जिला पुलिस अधीक्षक को एक पत्र लिखिए ।

खण्ड – 3

9. क्रिया विशेषण अव्यय को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **2**

10.'विधार्थी परीक्षा दे रहा है।' वाक्य में निहित्त कारक, काल और वाच्य लिखिए। **3**

11.अव्ययीभाव समास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **2**

12.निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए । **2**

(क) उसकी सौन्दर्यता अनुपम हैं।

(ख) मां दही जमा रही हैं

13.निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए । **2**

(क) किला फतेह करना ।

(ख) घुटने टेकना ।

14.'अपनी करनी पार उतरनी' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए । **2**

खण्ड – 4

15.निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **2 + 4 = 6**

लखन कहा हसी हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसु। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितई परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालक बोलि बधऊँ नहिं तोही । केवल मुनि जड़ जामहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित छत्रियकुल ब्रोही ।।

अथवा

धार में धाय धँसी निरधार ह्वै, जाय फँसी, उकतीं न अबेरी ।
री अंगराय गिरीं गहरी, गहि फेरे फिरीं औं घिरी नहीं घेरी।।
देव कछू अपनो बस ना, रस – लालच लाल चितै भयीं चेरी।
बेगि ही बूड़ि गयी पखियाँ, अखियाँ मधु की मखियाँ भयीं मेरी।।

16.निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **2+4 = 6**

मिठाईयों के बाद कुछ दुकानें लोहे की चीजों की, कुछ गिलट और कुछ नकली गहनों की। लड़को के लिए यहाँ कोई आकर्षण न था। वह सब आगें बढ जातें है। हामिद लोहे की दुकान पर रूक जाता है। कई चिमटें रखे हुए थे। उसे ख्याल आया, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं, तो हाय जल जाता हैं, अगर चिमटा ले जाकर दादी को दे दे, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी। फिर उनकी उँगलियाँ कभी न जलेंगी। घर में एक काम की चीज हो जाएगी। खिलौने से क्या फायदा। व्यर्थ में पैसें खराब होते हैं । जरा देर की ही तो खुशी होती हैं। फिर तो खिलौने को कोई आँख उठाकर नहीं देखता। या तो घर पहुँचते – पहुँचते टूट – फूटकर बराबर हो जाएँगे, या छोटे बच्चे जो मेले में नहीं आए हैं, जिद्द करकें ले लेंगे और तोड़ डालेंगे। चिमटा कितने काम की चीज है। रोटियाँ तवें से उतार लो, चूल्हे में सेंक लो। अम्माँ बेचारी को कहाँ फुरसत है। कि बाजार आएँ और इतने पैसे ही कहाँ मिलते हैं। रोज हाथ जला लेती हैं। हामिद के साथी आगे बढ़ गए हैं।

अथवा

गौरा वास्तव में बहुत प्रियदर्शिनी थी, विशेषतः उसकी काली बिल्लौरी आँखों का तरल सौन्दर्य तो दृष्टि को बाँधकर स्थिर कर देता था । चौड़े, उज्ज्वल माथे और लम्बे तथा साँचे में ढले हुए से मुख पर आँखे बर्फ में नीले जल के कुण्डों के समान लगती थी। उनमें एक अनोखा विश्वास का भाव था । गाय के नेत्रों में हिरन के नेत्रों – जैसा चकित विस्मय न होकर एक आत्मीय विश्वास ही रहता है। उस पशु को मनुष्य से यातना ही नहीं, निर्मम मृत्यु तक प्राप्त होती हैं, परन्तु उसकी आँखों के विश्वास का स्थान न विस्मय ले पाता है, न आंतक । महात्मा गाँधी ने गाय को करूणा कविता कहा है, क्यों कहा, यह उसकी आँखे देखकर ही समझ में आ सकता है।

17. सूरदास पाठ के आधार पर कृष्ण व राधा की भेंट को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए । (शब्द सीमा – 200) **6**

अथवा

'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए । (शब्द सीमा – 200)

18.''स्त्री शिक्षा समाज के पतन का कारण नहीं वरन् समाज के विकास की सीढी है।'' इस कथन के आलोक में स्री शिक्षा पर अपने विचार लिखिए । (शब्द सीमा – 200) **6**

अथवा

अमर शहीद एकांकी के आधार पर सागरमल गोपा का चरित्र चित्रण कीजिए। (शब्द सीमा – 200)

19.'चतुरंग दल' से सेनापति का क्या तात्पर्य हैं? **2**

20.'प्रभो' कविता में कवि ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा है? **2**

21.कविता 'मातृ – वन्दना' के अनुसार कवि माँ के चरणों में क्या – क्या समर्पित करना चाहता है? **2**

22.'एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न' पाठ में लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया ? **2**

23.लाइसेंस क्यों उपयोगी है? **2**

24.वाहन में रखे प्राथमिक उपचार किट का उपयोग बताइए । **2**

25.'रजिया रा सोरठा' के अनुसार दूध व नीर (जल) को कौन अलग – अलग कर सकता है? **1.5**

26.कविता 'उषा की लाली' में हिमगिरि किसे कहा गया है? **1.5**

27.'आखिरी चट्टान' पाठ में कनाकोर के होटल में लेखक क्या भूल आया था? **1.5**

28.लेखक 'दिनकर' ने ईष्यालु व्यक्ति के क्या लक्षण बताए हैं? **1.5**

29.कवि कृपाराम खिड़िया का जीवन – परिचय दीजिए । **3**

30.लेखक लक्ष्मीनारायण रंगा का जीवन – परिचय दीजिए । **3**

माध्यमिक परीक्षा – 2019

नमूना प्रश्न–पत्र – 4

कक्षा – 10

विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80

समय – 3.15 घंटे

निर्देश :– 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

2. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड़ हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें, परम्पराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ हैं। कड़वा सच तो यह हैं कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहें हैं, पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति हैं। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहें है। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छदम आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य निर्देशित होता जा रहा हैं। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्म तंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं। उनमें सम्मोहन की शक्ति है और वशीकरण की भी। यही कारण हैं कि हम उपनिवेश के रूप में ही प्रकट होते जा रहे हैं।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । **1**
2. हमारी नई संस्कृति किस प्रकार की है ? **1**
3. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रत्यय छाँटिए **2**
   (क) बौद्धिक
   (ख) सांस्कृतिक

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भू – लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला – स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।।
हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है?
भगवान की भव – भूतियों का यह प्रथम भण्डार है।

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। **1**
5. 'प्रकृति का पुण्य लीला स्थल' किसे बताया गया है ? **1**
6. काव्यांश का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए । **2**

खण्ड – 2

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए ।

(क) बाल विवाह : एक सामाजिक कु – प्रथा
(अ) प्रस्तावना (ब) सामाजिक स्थिति
(स) बाल विवाह के कारण व दुस्प्रभाव (द) बाल विवाह रोकथाम व सुझाव
(य) उपसंहार

अथवा

(ख) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या और समाधान
(अ) प्रस्तावना (ब) पर्यावरण प्रदूषण के कारण
(स) पर्यावरण प्रदूषण से दुस्प्रभाव (द) रोकने के उपाय व कानूनी निर्णय
(य) उपसंहार

अथवा

(ग) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व
(अ) प्रस्तावना (ब) अनुशासन : अभिप्राय
(स) अनुशासन की आवश्यकता (द) अनुशासन से सफलता (य) उपसंहार

अथवा

(घ) शिक्षा का उद्देश्य : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

(अ) प्रस्तावना (ब) शिक्षा का आश्य – उद्देश्य

(स) शिक्षा का जीवन में महत्व (द) नवीन शैक्षिक प्रणालियाँ

(य) उपसंहार

8. स्वयं को जोधपुर निवासी महेश मानते हुए अपने मित्र मंयक को उसके पिताजी के निधन होने पर एक संवेदना पत्र लिखिए**4**

अथवा

आप पृथ्वीराज नगर, अजमेर निवासी अमन हैं, अपने नगर – निगम को एक पत्र लिखिए जिसमें नगर की नियमित सफाई करवाने का अनुरोध किया गया हो।

खण्ड – 3

9. कालवाचक क्रिया विशेषण को सोदाहरण परिभाषित कीजिए । **2**

10. 'प्रशान्त खेल रहा है' वाक्य में निहित कारक, काल और वाच्य लिखिए । **3**

11. समाज किसे कहते हैं? परिभाषा लिखिए। **2**

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए । **2**

(क) बच्चें को प्लेट में रखकर फल खिलाओ।

(ख) वह आम को खा रहा है।

13. 'जलती आग में कूदना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **2**

14. 'अरहर की टट्टी, गुजराती ताला' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए । **1**

खण्ड – 4

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **2+4 = 6**

उषा की लाली में
अभी से गए निखर
हिमगिरि के कनक – शिखर ।
आगें बढा शिशु – रवि
बदली छवि, बदली छवि
देखता रह गया अपलक कवि ।

अथवा

पहली कियां उपाव, दव दुसमण आमय दटै ।
प्रचँड हुआं विसवाव, रोभा घालै राजिया।।
हीमत कीमत होय, बिना हीमत कीमत नहीं ।
करै न आदर कोय, रद कागद ज्यूँ राजिया।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **2+4 = 6**

ऐसा लगता है कि किसी जिज्ञासु व्यक्ति ने दादू से सीधा सवाल पूछा था कि आपका खाना – पीना कैसे चलता हैं? आप अपने परिवार का भरण पौषण कैसे करतें है ? अर्थात् आपकी आय के साधन क्या है? यहॉ तो चारों ओर अभाव की अभाव दिखाई दे रहा है। इस जिज्ञासा को शांत करने के लिए दादू ने कहा कि राम ही मेरा रोजगार है, वही मेरी सम्पत्ति है, उसी राम के प्रसाद से परिवार का पोषण हो रहा है। इन पंक्तियों से यह अनुमान सहज की लगाया जा सकता है कि यहॉ ऐश्वर्य का बोलबाला नही, गरीबी का साम्राज्य हैं। यह बात रेखांकित करने लायक है कि दादू को अपनी गरीबी से कोई शिकायत नहीं है, इसे जीवन स्थिति मानकर उन्होनें स्वीकार कर लिया है।

अथवा

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है जिस मनुष्य के ह्रदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नही उठाता जो उसके पास मौजूद है, बल्कि उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरो के पास हैं। वह अपने तुलना दुसरो के साथ करता हैं और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके ह्रदय पर दंश मारते हैं दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नही हैं मगर ईर्ष्यालू मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी ही पडती हैं।

17.'लक्ष्मण परशुराम संवाद' काव्यांश के आधार पर इसका संक्षिप्त सार अपने शब्दों मे लिखिए । **6**

अथवा

पठितांश के आधार पर बताइए कि सेनापति का ऋतुवर्णन हिन्दी साहित्य में अनुठा क्यों हैं।

18. पीपा ने अपनी भक्ति भावना द्वारा समाज के उपेक्षित वर्ग को किस प्रकार दृढ बनाया ? पठितांश के आधार पर विवेचना कीजिए । **6**

अथवा

''भारत प्रकृति का उपहार हैं।'' – पाठ के आलोक (आखिरी चट्टान) में इस कथन की सत्यता को उद्घाटित कीजिए ।

19. 'तजि अंगार अघात' – सूरदास पाठ के आधार पर इस पंक्ति का आश्य स्पष्ट कीजिए । 2

20. 'जै जग मन्दिर दीपक सुन्दर' से कवि देव का क्या तात्पर्य है। 2

21. प्रभो कविता में 'अंशुमाली' एवं 'दयानिधी' से क्या तात्पर्य है। 2

22. ''मातृभूमि के दीवाने तन का जीवन नही मन को जीवन जिते है'' – अमर शहीद एकांकी के आधार पर उक्त पंक्ति का आश्य स्पष्ट कीजिए। 2

23. गाडी चलाते समय गाडी में कौन – कौनसे महत्वपूर्ण कागजात होनें आवश्यक है ? 2

24. वर्षा व कोहरे के मौसम में वाहन चलाते समय क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ? 2

25. 'मातृवन्दना' में कवि निराला ने माँ के सम्बोधन का प्रयोग किसके लिए किया है ? 1.5

26. 'प्रभो कविता में ईश्वर की प्रशंसा का राग कौन गा रहा हैं? 1.5

27. शंकुतला ने दुष्यंत के विषय में दुर्वाक्य क्यों कहे ? आपके मतानुसार क्या वे वाक्य सही थे ? स्पष्ट कीजिए 1.5

28. ''गाय करूणा की कविता है'' यह कथन किसका हैं? क्या यह वाक्य सही प्रतीत होता है ? 1.5

29. कवि ऋतुराज का जीवन परिचय दीजिए । 3

30. लेखक प्रेमचंद का जीवन परिचय दीजिए । 3

यह शिक्षण सामग्री आप हमारे मोबाइल ऐप ''ज्ञान दर्पण'' से भी डाउनलोड कर सकते है। यह ऐप आप www.surenapps.com से डाउनलोड कर सकते हैं।

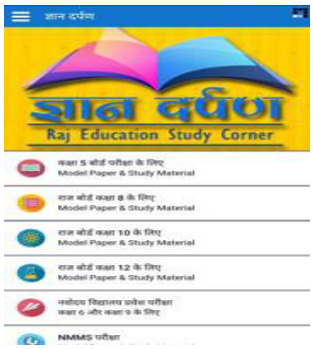

ज्ञान दर्पण
Raj Education Study Corner